हिन्दी-2016 (प्रथम पाली)

Time : 3 Hrs. 15 Minutes] [Full Marks : 100

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : देखें 2015 (प्रथम पाली)

खण्ड-'क' (अपठित अवबोधनम्) 13 अंका:

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखें :

अस्ति अरण्ये कश्चित् शृगाल: स्वेच्छाया नगरोपान्ते भ्राम्यन् नीलभाण्डे पतित:। पश्चाद् उत्थातुम् असमर्थ: प्रात: आत्मानं मृतवत् संदर्श्य स्थित:। अथ नीली-भाण्डस्वामिना मृत इति ज्ञात्वा तस्मात् समुत्थाय दूरे नीत्वा अपसारित:।

अथ स मृग: पलायित:।

(क) एकपद में उत्तर दें : 4

(i) नीलभाण्डे क: पतित: ?

(ii) क: मृतवत् संदर्श्य स्थित: ?

(iii) शृगाल: कुत्र अस्ति ?

(iv) क: समुत्थाय पलायित: ?

(ख) पूर्णवाक्य में उत्तर दें : 4

(i) पश्चाद् उत्थातुं क: असमर्थ: आसीत् ?

(ii) 'मृतवत्' इति ज्ञात्वा केन अपसारित: ?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें : 4

(i) 'अरण्ये' इति पदे का विभक्ति ?

(ii) 'अथ' इति शब्द: किमस्ति ?

(iii) 'ज्ञात्वा' इति पदे क: प्रत्यय: ?

(iv) 'नगरोपान्ते' इति शब्दस्य सन्धि विच्छेदं कुरुत।

(घ) अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकम् लिखत।

खण्ड-'ख' (रचनात्मकं कार्यम्-पत्रलेखनम्) 15 अंका:

2. मंजूषा स्थित पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। 8

छात्रावासात्

तिथि:-15.11.2015

प्रिय मित्र रमेश,

सादरम् अभिवादये।

आशा वर्तते त्वं कुशल: .....। अहमपि स्वस्थ: प्रसन्नश्च .....। अस्मिन् ..... नामांकनात् पश्चात् मध्यम् ..... स्थानं दत्तं विद्यालयेन। मम उत्कृष्ट: परीक्षापरिणाम: तस्य कारणम्। छात्रावासे मम जीवनं सुखकरं .....। सहवासिन: सहयोगिनश्च अध्ययने ..... समस्यानां समाधानं .....।

तव.....

महेश:

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

मन्जूषा

अस्मि, असि, छात्रावासे, मित्रवरः,
उत्पन्नानां, वर्तते, यथोचितम्, कर्वन्ति

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में सात वाक्यों का अनुच्छेद लिखें : 7
   (i) अस्माकम् विद्यालयः
   (ii) प्रिय लेखकः
   (iii) सदाचारः
   (iv) परोपकारः।

खण्ड-'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्) 32 अंकाः

4. निर्देशानुसार उत्तर दें :
   (क) पर + उपकारः (सन्धि करें)। 1
   (ख) सर्वोदयः (सन्धि विच्छेद करें)। 1
   (ग) 'उ + अ' के योग से कौन-सा वर्णन बनेगा ? 1
   (घ) अयादि सन्धि का एक उदाहरण दें। 1

5. (क) 'रामस्य' किस विभक्ति का रूप है ? 1
   (ख) 'भानुना' का मूल शब्द क्या है ? 1
   (ग) 'भवतः' में कौन विभक्ति है ?
   (i) पंचमी (ii) तृतीया
   (iii) सप्तमी (iv) द्वितीया

6. (क) 'भवन्तु' किस धातु का रूप है ? 1
   (i) भू (ii) भव्
   (iii) भव (iv) अस्
   (ख) 'करू' किस लकार का रूप है ? 1
   (i) लट् (ii) लोट्
   (iii) लङ् (iv) लृट्

7. (क) 'निशम्य' पद में कौन-सा उपसर्ग है ? 1
   (ख) किस शब्द में 'अनु' उपसर्ग लगा हुआ है ?
   (i) आनुचर (ii) अनुचर
   (iii) आनूचर (iv) अनूचर

8. (क) 'पठ् + शतृ' के योग से कौन-सा शब्द बनेगा ? 1
   (i) पठन् (ii) पाठन्
   (iii) पठत् (iv) पाठत्
   (ख) 'दण्डी' में कौन-सा तद्धित प्रत्यय है ? 1
   (i) ङीप् (ii) ङीष्
   (iii) इनि (iv) ङीन

9. (क) 'इन्द्र' का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा ? 1
   (i) इन्द्राणी (ii) इन्द्री
   (iii) इन्द्रा (iv) इन्द्रि

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(ख) 'किशोरी' में कौन-सा स्त्री-प्रत्यय है ? 1

(i) ङीप् (ii) ङीष्

(iii) ङीन् (iv) ई

10. (क) 'देव + अण्' से कौन-सा शब्द बनेगा ? 1

(i) देवः (ii) दैवः

(iii) दावः (iv) देवाण्

(ख) 'कृ + ण्यत्' से क्या बनेगा ? 1

11. निर्देशानुसार उत्तर लिखें : 4

(क) 'उपगंगम्' का विग्रह करें।

(ख) 'कृष्णश्रितः' का समस्त पद लिखें।

(ग) 'पीताम्बरम्' में कौन समास है ?

(घ) 'द्वन्द्व' समास का एक उदाहरण दें।

12. (क) 'अपवर्गे तृतीया' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें। 2

(ख) 'दण्डेन घटः क्रियते' यहां 'दण्डेन' में कौन-सी विभक्ति है ? 2

13. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करें। 7

(क) राम स्वभाव से सज्जन है।

(ख) परिश्रम के बिना सुख नहीं है।

(ग) ग्वाला गाय से दूध दुहता है।

(घ) गंगा हिमालय से निकलती है।

(ङ) गंगाजल पवित्र होता है।

(च) गाँव के दक्षिण नदी है।

(छ) कालिदास कवियों में श्रेष्ठ हैं।

(ज) वह ब्राह्मण की स्तुति करता है।

(झ) अशोक पाटलिपुत्र के राजा थे।

(ञ) संघमित्रा उनकी पुत्री थी।

खण्ड-'घ' (पठित अवबोधनम्) 40 अंकाः

14. निम्नलिखित गद्यांशों का अनुवाद हिन्दी में करें : 6

(क) पश्चात् तेषु चतुर्षु अलसेषु अधिकतरं वस्तु मंत्री दापयामास।

(ख) कम्पणरायस्य राज्ञी गंगादेवी मधुराविजयम् महाकाव्यम् रचयामास।

(ग) विवाह संस्कार-पूर्वकमेव मनुष्यः वस्तुतः गृहस्थजीवनम् प्रविशति।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें : 4

(क) मौर्यकाले अस्य नगरस्य व्यवस्था कीदृशी आसीत् ?

(ख) निर्गतानां प्रथमः कः अस्ति ?

(ग) गार्गी कस्य राजसभायाम् आसीत् ?

(घ) मूलशंकरः किम् कृतवान् ?

16. 'अलस-कथा' पाठ के लेखक कौन हैं तथा उस कथा से क्या शिक्षा मिलती है ? 3

17. 'विश्वशान्तिः' पाठ के आधार पर उदार-हृदय पुरुष का लक्षण बतावें। 3

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

18. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखें : 4

(क) सुलभाः पुरुषाः राजन् सततं प्रियवादिनः।
अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः।।

(ख) यस्य कृत्यं न विघ्नन्ति शीतमुष्णं भयं रतिः।
समृद्धिरसमृद्धिर्वा स वै पण्डित उच्यते।।

19. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें : 4

(क) क्षमा के हन्ति ?

(ख) 'मन्दाकिनी-वर्णनम्' कुतः संगृहीतम् ?

(ग) के गीतकानि गायन्ति ?

(घ) सत्यधर्माय प्राप्तये किम् अपावृणु ?

20. 'पाटलिपुत्र वैभवम्' पाठ के आधार पर पटना के वैभव का वर्णन पांच वाक्यों में करें। 3

21. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें : 3

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

22. (क) 'शास्त्रकाराः' पाठ के आधार पर संस्कृत की विशेषता बतायें। 3

(ख) षट् वेदाङ्गाति सन्ति। तानि शिक्षा, कल्पः, व्याकरणम्, निरूक्तम्, छन्दः, ज्योतिषं चेति। 3

(i) यह उक्ति किस पाठ की है ?

(ii) वेदाङ्ग कितने हैं ?

(iii) शिक्षा का प्रतिपाद्य विषय क्या है ?

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में एकपद में दें : 4

(क) भगवान् बुद्धः बहुकृत्वः कुत्र समागतः ?

(ख) स्त्रीणाम् कः गतिः ?

(ग) सप्तपदी क्रिया कस्मिन् संस्कारे विधीयते ?

(घ) कर्मवीरः कं स्थानम् अवाप ?

उत्तरमाला

1. (क) (i) शृगाल, (ii) शृगाल, (iii) अरण्ये, (iv) मृगः

(ख) (i), शृगालः निलभाण्डे असमर्थः आसीत्।

(ii) इति ज्ञात्वा अपसरिताः।

(ग) (i) सप्तमी, (ii) अव्यय, (iii) कत्वा, (iv) नगर + उपान्ते, (घ) शृगालः।

2. असि, अस्मि, छात्रावासे, उत्पन्नानां, वर्तते, यथोचितम्, कुर्वन्ति, मित्रवरः।

3. (i) अस्माकम् विद्यालयः—वयं आदर्शविद्यालये पठामः। अयं नगरस्य अतिसुरम्ये स्थले स्थितोऽस्ति। अस्य मोहकानि भवनानि दर्शकाना चेतांसि हरिन्त। अयं विद्यालयः रायोधानमध्ये स्थितः अस्ति। अत्र अध्यापकानां संख्या षष्टिः छात्राणां संख्या च चतुस्सहस्रं वर्तते। सवं अध्यापकाः स्वस्वविषये पारङ्गताः शिक्षणकलामर्मज्ञाश्य वर्तते।

छात्राः अपि मेधाविनः सुशिष्टः जिज्ञासवः सन्ति।

शिक्षायामस्माकं विद्यालयः समग्रप्रदेशे सुकीतिलघः वर्तते।

(ii) प्रिय लेखकः—अपारे काव्यसंसारे अनके महाकवयः विराजन्ते। तेषु कालिदासः अस्माकं

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

प्रियः कविः वर्तते संस्कृतकाव्येषु कालिदासस्य उपमालङ्काराः प्रसिद्धः अस्ति, तस्य नाट्यकृतिः अभिज्ञानशाकुन्तलम् विश्वविदिता, सातिक्षयस्म्या च अस्ति, आयौ सः कविः महामूर्खः आसीत् इति किंवदन्ती, श्रूयते सः कालिदोत्या, प्रसादात् सकलं शास्त्रम् अधिगतवान्, महाकविः कालिदासमहोदयः इतोऽपि यथा ऋतुसंहार, भुद्राराक्षसं प्रभूति काव्यग्रन्थानि रचितवान्।

(iii) सदाचारः—सतां सज्जनानाम् आचारः कथ्यते। सत्पुरुषाः यानि कर्माणि कुर्वन्ति तानि एव अस्माभिः करणीयानि, मातृपितृगुरूजनानां सेवा, सत्यभाषणम् इन्द्रियगिग्रहः परोपकारिताप्रभृतिगुणानां गुणना सदाचारे भवति, सदाचारी पुरुषः वितयी भवति। स हि न कस्मैचिदपि द्रह्यवि। वयं सदाचारिणः भवेम। लोकानां नियमानुरूपायरणम् एवं सदाचार इति।

(iv) परोपकारः—परेषाम् उपकारः परोपकारः कथ्यते। परोपकार इव न अस्ति कोऽपि अपरः धर्मः। मानवजीवने परोपकारस्य अत्यन्त महत्वं वर्तते। अस्मिन् संसारे एकः जनः सर्वाणि न कर्तु शक्नोति। जनः अपरस्य सहायताम् अपेक्षते एव अन्येषां सहायता विना कोऽपि मनुष्यः कमपि कार्य कर्तु शक्नोति। यदि कोऽपि जनः अन्यस्य सहायताम् अपेक्षते तहि अन्योऽपि जनः सहायताम् अपेक्षते।

4. (क) परोपकार, (ख) सर्व + उदय, (ग) व, (घ) पवन

5. (क) षष्ठी, (ख) भानू, (ग) (i) पंचमी/षष्ठी।

6. (क) (i) भू, (ख) (ii) लोट

7. (ख) (ii) अनुचर

8. (क) (i) पठन, (ख) (iii) इनि।

9. (क) (i) इन्द्राणी, (ख) (ii) ङीप

10. (क) (ii), (ख) कृण्यत।

11. (क) गंगायाः समीपम्, (ख) यह समस्त पद है।
(ग) बहुव्रीहि, (घ) पितरौ।

12. (क) यदि क्रिया लगातार हो तो कार्य समाप्ति फल प्राप्ति में तृतीया विभक्ति होती है।
यथा : सः मासेन व्याकरणं अपठत्।
(ख) तृतीया।

13. (क) रामः स्वभावेन सज्जनः अस्ति।
(ख) परिश्रम विना सुखं न अस्ति।
(ग) ग्वाला गाम दुग्धं दुहति।
(घ) गंगा हिमालयात् निर्गच्छति।
(ङ) गंगा जलं पवित्रं भवति।
(च) ग्रामस्य दक्षिण नदी अस्ति।
(छ) कालिदासः कविषु श्रेष्ठः अस्ति।
(ज) सः ब्राह्मणस्य स्तुति करोति।
(झ) अशोकः पाटलिपुत्रस्य राजा आसीत्।
(ञ) संघमित्रा तस्यः पुत्री आसीत्।

14. (क) देखो इन चारों आलसियों में अधिक से अधिक वस्तु मंत्री के द्वारा दिलाया गया।
(ख) कम्पण राय की रानी गंगा देवी ने मधुरविजयम महाकाव्य की रचना की।
(ग) विवाह संस्कार के बाद मनुष्य गृहस्थ जीवन में प्रवेश करता है।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

15. (क) मौर्यकाले अस्य नगरस्य व्यवस्था अत्यन्त कृस्टा आसीत्।

(ख) निर्गतानां प्रथमः सर्केषामलस अस्ति।

(ग) गर्गीजनकस्य राज सभायायाम आसीत्।

(घ) मूलशंकर स्त्री शिक्षायाः विधवा विवाहस्य मूर्ति पूजा खण्डनस्य वाल विवाहस्य च निवारणस्य प्रयासः कृतः।

16. आलस कथा पाठ के लेखक विद्यापति है। इस कथा से हमें शिक्षा मिलती है कि परिश्रम कर भोजन करना चाहिए। इसलिए कि यह शत्रु जैसा ही है।

17. इस पाठ के आधार पर उदार हृदय वाला पुरुष के लिए पूरी पृथ्वी अपना परिवार होता है। यह मेरा है। यह दुसरों का है इसकी गिनती नहीं करते हैं।

18. (क) हे राजन प्रिय बोलनेवाला मनुष्य सदैव आसानी से मिल जाते हैं। परन्तु प्रिय और सत्य बोलने वाले तथा सुनने वाले व्यक्ति सदैव दुर्लभ है।

(ख) जिस मनुष्य का कर्म सर्दी, गर्मी, भय-आनंद तथा उन्नति-अवनति से प्रभावित न हो उसे पंडित कहते हैं।

19. (क) क्षमा नित्यं क्रोधं हन्ति।

(ख) मन्दाकिनी वर्णनम् रामायणात् महाकाव्यात संग्रहीतम्।

(ग) देवाः गीतकानि गायन्ति।

(घ) सत्यस्य मुखम अपावृणुयात्।

20. बिहार राज्य की राजधानी पटना का महत्व सार्वकालिक है। इसका इतिहास 2500 वर्षों का है। इसका धार्मिक क्षेत्र, राजनीति क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र विशेषतः ध्यान को आकृष्ट करता है। मेगा स्थनीज, फाहियान, ह्वेनसांग आदि विदेशी यात्रियों ने पाटलिपुत्र का वर्णन अपने-अपने संस्मरण ग्रंथों में किया है। इस पाठ में पाटलिपुत्र के वैभव का सामान्य परिचय है।

21. प्रस्तुत श्लोक हमारे पाठ्य पुस्तक पियूषम भाग-2 के विश्वशांति पाठ से संकलित है। लेखक महान लोगों के बारे में कहते हैं कि—यह मेरे हैं, यह दूसरे का है इसकी गिनती छोटे मन वाले लोग करते हैं। जो लोग महान है उनके लिए पूरी पृथ्वी अपना परिवार होता है।

22. (क) शास्त्रकारः पाठ के आधार पर संस्कृत की निम्नलिखित विशेषता इसके द्वारा शासक का ज्ञान होता है। इसके द्वारा मनुष्यों के कर्तव्य-अकर्तव्य विषयों की शिक्षा मिलती है। संस्कृत को आज कल अध्ययन विषय कहा जाता है। पश्चिमी देशों में इसे अनुशासन भी कहते हैं। संस्कृत के द्वारा लोगों को उपदेशित किया जाता है। अतः संस्कृत की महत्ता बहुत ही अधिक है।

(ख) (i) यह युक्ति शास्त्रकारा पाठ से संकलित है।

(ii) वेदांग छः है। (iii) व्याकरण शिक्षा का प्रतिपाद्य विषय है।

23. (क) पाटलिग्रामे भवान बुद्ध बहुकृत्व समागतः।

(ख) स्त्रीणाम् गति पति।

(ग) विवाह संस्कारे सप्तपदी क्रिया संस्कारे विधियते।

(घ) कर्मवीर व्यापकविषयज्ञानेन स्थानाम आवाप।

●●●

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com